

प्रकाश छाबड़ा, यंग जैन स्टडी ग्रुप, इन्दौर



99260-40137









- * जिसमें ज्ञान नहीं है।
- * जो जान नहीं सकता।
- * जो सुख व दुःख का अनुभव नहीं करता है।

प्रकाश छाबड़ा, यंग जैन स्टडी ग्रुप, इन्दौर

हम आप जानते हैं, आप जीव हैं



हारा, मोना, टेबल, इसी जानते नहीं हैं, इसी जानते नहीं हैं, अत: अजीव हैं



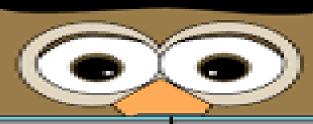
प्रकाश छाबड़ा, यंग जैन स्टडी ग्रुप, इन्दौर











- √ मैं जानता हूँ
- √ मैं सुख-दुःख का वेदन करता हूँ

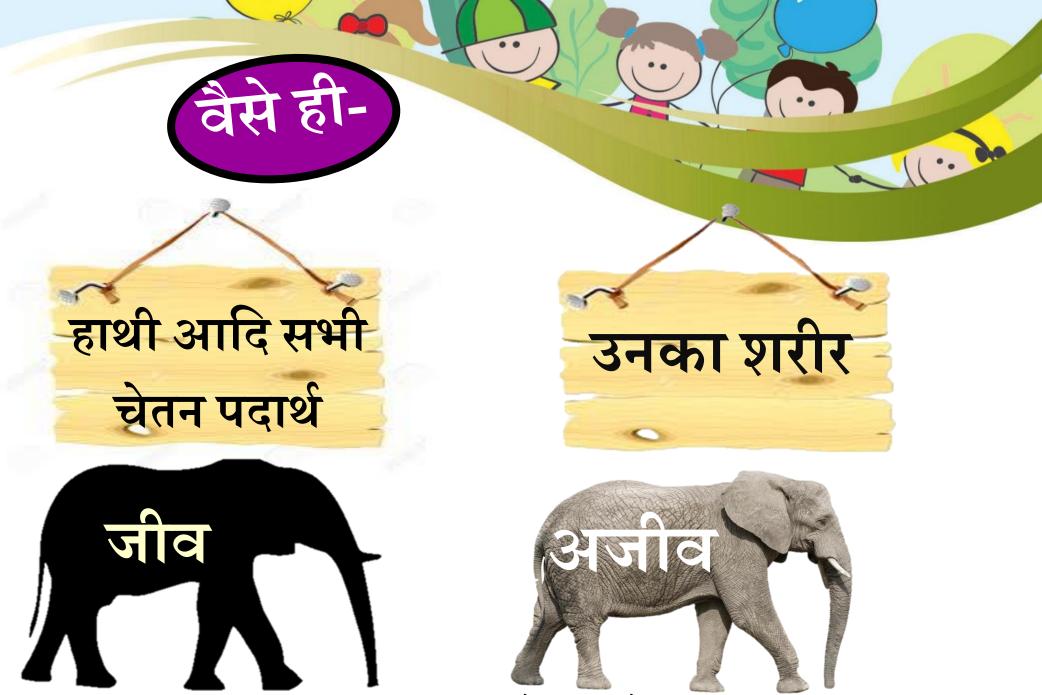
- 🗸 शरीर नहीं जानता
- 🗸 आँख, कान नहीं देखते
- √ शरीर में सुख-दुःख नहीं होता है

शरीर अगर जानता, सुख-दुःख भोगता, तो मुर्दा भी जानता!

प्रकाश छाबड़ा, यंग जैन स्टडी ग्रुप, इन्दौर



प्रकाश छाबड़ा, यंग जैन स्टडी ग्रुप, इन्दौर



प्रकाश छाबड़ा, यंग जैन स्टडी ग्रुप, इन्दौर

इसके जानने से क्या लाभ हैं?

- * इसको जाने बिना आत्मा की सच्ची पहिचान नहीं हो सकती
- * और आत्मा की पहिचान बिना सच्चा सुख नहीं मिल सकता
- 🖈 तथा हमें सुखी होना है।
- * जीव-अजीव का ज्ञान कर हम स्वयं भगवान बन सकते हैं।